भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1758

18 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

सरकार द्वारा संचालित इस्पात संयंत्रों को हुआ घाटा

1758. श्रीमती मौसम नूर:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा संचालित प्रमुख इस्पात संयंत्रों को विगत पांच वर्षों में घाटा हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा संचालित इस्पात संयंत्रों के पुनरुद्धार हेतु क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) सरकार द्वारा इन संयंत्रों के पुनरुद्धार को सुकर बनाने हेतु गत पांच वर्षों के दौरान कार्यान्वित किए गए नए राजस्व मॉडल का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार ने इन इस्पात संयंत्रों में निजी निवेश को आकर्षित करने हेतु वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडलों अथवा प्रोत्साहनों का पता लगाया है अथवा उन पर विचार किया है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) से (ड.): इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) तथा एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) नामक इस्पात विनिर्माण से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं। सेल को पिछले पांच वर्षों के दौरान कोई वित्तीय घाटा नहीं हुआ है। एनएसएल ने 31.08.2023 को इसकी शुरूआत से ही वाणिज्यिक प्रचालन शुरू किया है। आरआईएनएल के संबंध में विवरण निम्नानुसार हैं:-

पिछले 5 वर्षों के दौरान आरआईएनएल का वित्तीय निष्पादन निम्नानुसार रहा हैं:-

(रूपए करोड़ में)

वर्ष	प्रचालन से प्राप्त राजस्व	कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	कर पश्चात लाभ (पीएटी)
2018-19	20492.00	-306.90	96.70
2019-20	15920.50	-4287.50	-3910.20
2020-21	18080.90	-1259.02#	-1012.16#
2021-22	28359.40	941.60	913.20
2022-23	22809.40	-3236.46	-2858.74

#पुन: उल्लिखित

कच्चे माल की लागत को घटाने तथा उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से इस्पात मंत्रालय ने आरआईएनएल हेतु स्वदेशी कोकिंग कोयले तथा तापीय कोयले की आपूर्ति के संबंध में कोयला मंत्रालय से अनुरोध किया है। इसके अलावा, ओडिशा राज्य सरकार से आरक्षण मार्ग के माध्यम से लौह अयस्क ब्लॉक के आवंटन के लिए अनुरोध किया गया है। उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से आरआईएनएल कच्चे माल की अधिक उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों से लौह अयस्क तथा कोयला

प्राप्त कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल ने वित्तीय निष्पादन में सुधार के लिए समय-समय पर निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि और उच्चतर लाभ प्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए बाजार की आवश्यकता के अनुरूप उत्पाद श्रृंखला के अनुकूलन द्वारा प्रचालन लागत में कमी की जा रही है तथा लागत का तर्कसंगतीकरण और राजस्व का अधिकतमीकरण किया जा रहा है।

- लागत में कमी के लिए कोल ब्लैंड में स्वदेशी कोकिंग कोयले के उपयोग को बढ़ाना।

*****